22-08-2025

अध्यक्षीय भाषण

माननीय महामंत्री जी एवं कार्यकर्ता भगिनी तथा बंधू |

हम सभी भोपाल, राजा भोज की नगरी में एकत्रित हुए हैं | आप सभी को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं | भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और हम सब ने 23 जुलाई को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन के माध्यम से ऐतिहासिक क्षण का उत्सव मनाया | इस अवसर पर मैं आप सभी को हृदय से बधाई और धन्यवाद देता हूं |

आज भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है | हमारी जिम्मेदारी अधिक बनती है और इसलिए हम इसे संख्या में और गुण में दोनों रूपों में अधिक आगे बढ़ाएं | यह संगठन बना है, तब से त्याग से, और तपस्या से खड़ा हुआ है | हम सबको इस परंपरा को आगे ले जाना है, हमारे हर एक कार्य को अधिक अच्छा बनाना है| हमारे हर एक कार्यक्रम को बेहतरीन बनाना है | हमारे कार्यालय सुंदर और अधिक संख्या में करना है | हर प्रांत, हर महासंघ, हर जिला, और हर यूनियन में अधिक कोष व्यवस्था बनानी है| आदरणीय परम पूज्य सर संघचालक जी ने आने वाले दिनों और वर्षो के लिए मार्गदर्शन दिया है | हम केवल ट्रेड यूनियन ना रहे, पारिवारिक संगठन भी बने | आने वाली नयी टेक्नोलॉजी का सही

उपयोग करते हुए हर हाथो को काम दिलवाना है| समय के साथ हम मिलकर भारत देश को विश्व गुरु बनाकर हमारा भी कर्तव्य निभाते हुए सही योगदान करे |हमारे साथ अन्य मजदूर एवं नागरिक को सही रास्ते पर ले जाना है | पुराने कार्यकर्ताओं ने जो कीमत चुकाई है उसको याद रखते हुए संगठन को आगे बढ़ाना है |हम निर्णय उचित करे और संगठन के हित में करें |हम सब मिलकर हर स्तर पर सामूहिक निर्णय करें| संगठन के कार्य में 70 वर्ष भी एक पड़ाव है, रुकना नहीं है, थकना नहीं है, आगे बढ़ाना ही है| हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करना है|

आगामी वर्ष 2026 भी बहुत चुनौतियों के साथ है|सबसे महत्वपूर्ण हमारा अखिल भारतीय अधिवेशन होने जा रहा है | यह अधिवेशन संख्या की दृष्टि से भी और गुणवत्ता की दृष्टि से भी सफल हो और एक आदर्श बने यही हमारा लक्ष्य है | इसके लिए समय का अनुशासन, सहनशीलता, व्यवस्था, शिष्टाचार और कार्यसूची तथा नए कार्यकर्ता की टीम सब उत्तम बनाने की आवश्यकता है| हमने कुछ नियम भी बनाए हैं और पाथेय भी मिला है उसको हम सबको चरितार्थ करना है |

कार्यकर्ता चयन के लिए प्रांत और महासंघ के लिए 60 वर्ष की सीमा है वैसे अखिल भारतीय पदाधिकारी के लिए 70 वर्ष की सीमा है|प्रांत और महासंघ के चार मुख्या पद के लिए दो टर्म हैं और अखिल भारतीय स्तर पर भी कायम रखना है | हमारे पास कार्यकर्ता की कमी नहीं है | योग्य कार्यकर्ता को योग्य पद मिलना चाहिए | अखिल भारतीय कार्यसमिति सदस्य के लिए आयु सीमा 75 वर्ष है|अन्य कार्यों के लिए आयु सीमा नहीं है | हमारे अनुभवी कार्यकर्ताओं को सामने से कहना "मैं नहीं अगला युवा कार्यकर्ता को काम में लगाओ"| कार्य समिति की टीम में संवाद और

संघर्ष करते चलो दोनों प्रकार के कार्यकर्ता रखना है | अधिक प्रवास करने वाले कार्यकर्ता चाहिए| हमारे संगठन में व्यक्ति विशेष नहीं है संगठन विशेष है | व्यक्ति कितना भी अच्छा हो किंतु सामूहिकता से कार्य करने वाला चाहिए | भारतीय मजदूर संघ का हित करने वाला कार्यकर्ता चयन करना है | युवा और महिला कार्यकर्ताओं को हमने आगे बढ़ाया है किंतु और अधिक गुणवत्ता के लिए अभी और आवश्यकता है | अधिवेशन में नए पदाधिकारी प्रभारी की सूचि में युवाओ और महिलाओ को अधिक स्थान देना चाहिए | अनुभवी कार्यकर्ता को कार्य योजना के अनुसार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौपी जानी चाहिए | आयु और दो टर्म का नियम सभी निर्धारित पदों पर पालन होना चाहिए | परम पुंजय सर संघचालक जी ने भी कहा है की 75 वर्ष की आयु के बाद कार्य की गति कम करनी चाहिए | इस प्रकार हमारी नई अखिल भारतीय टीम अनुभवी महिला और युवा कार्यकर्ताओं संतुलित रूप में होनी चाहिए| संगठन की व्यवस्था हम सबको समझना है | व्यक्ति के लिए संगठन नहीं है किंतु संगठन के लिए व्यक्ति होना चाहिए | संगठन व्यक्ति-विशेष पर आधारित न होकर सामूहिक चिंतन और सामूहिक निर्णय की परंपरा को आगे बढ़ाये |

आज भारतीय मजदूर संघ देश ही नहीं विदेश में भी नेतृत्व प्रदान कर रहा है| हमें नए-नए तरीके खोज कर राष्ट्रीय हित, उद्योग हित और श्रमिक हित को भी मजबूत करना है | आज नई तकनीक, नई अर्थव्यवस्था और बदलती सामाजिक व्यवस्था हमारे सामने चुनौतियां लेकर खड़ी है| हमें संगठित क्षेत्र के माध्यम से असंगठित क्षेत्र में अधिक कार्य करना है |

आज श्रमिक जगत में प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सहित परिवर्तन, सामाजिक सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियां सामने है | कुछ समस्या तुरंत समाधान मांगती है :-

(1). पर्यावरणीय संकट:- जल, वायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण सुलभ की समस्या में तेज़ गति पकड़ी है |यह केवल उद्योग नहीं श्रमिकों और समाज का भी प्रश्न है |हमें पर्यावरण मंच को प्रान्त और महासंघ से कार्यकर्ता देकर सशक्त बनाना होगा जिसके साथ श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके|

(2) टेक्नोलॉजी:- टेक्नोलॉजी एक सहयोगी प्रणाली है| परंतु इस बात पर अडिग रहेंगे की मशीन और तकनीक श्रमिकों का स्थान नहीं लेगी |बल्कि उनको सहायक के रूप में लेना |

इसके साथ हमें यह स्वीकार करें कि संघर्ष करने की शक्ति घट रही है और राजकीय सहयोग लेने की इच्छा बढ़ती जा रही है| ऐसे समय में शक्ति प्रदर्शन ही एक मात्र विकल्प रह जाता है हमें उसका सही उपयोग करना होगा| राजकीय शक्ति कुछ हद तक की है पर बिना आवश्यक उसका प्रयोग हानिकारक है |व्यक्ति और संगठन को पंगु बना देता है|

इन सारी चुनौतियों के बाद भी केवल भारतीय मजदूर संघ का भविष्य उज्जवल है| यदि हम स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और गैर- राजनीतिक संगठनात्मक विश्वास को और गहरा करें प्रान्त और केंद्रीय सरकारों पर निर्भर रहने की बजाय अपने दम पर खड़ा संगठन ही श्रमिकों के लिए सबसे बड़ी ताक़त है |

अंत मैं पुन: आप सभी को धन्यवाद देता हूं त्याग और तपस्या की इस परंपरा को आगे बढ़ते हुए हम सब मिलकर श्रमिक हित, उद्योग हित और राष्ट्रीय हित के लिए नए आयाम बनाएंगे |

“संगठन व्यक्ति से बड़ा है

और समाज संगठन से भी बड़ा है”

इसी मंत्र के साथ हम अपने अगले चरण की ओर बढ़ें |

भारत माता की जय